# शूराः वयं धीराः वयम्

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

## अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» 'वयम्' सर्वनाम – यह किसके लिए प्रयुक्त होता है

» मुख्य पंक्ति का शब्दार्थ – शूराः वयं धीराः वयं वीराः वयम्

» गुणवाचक शब्द – गुणशालिनः, बलशालिनः, जयगामिनः

» दृढमानसाः, प्रियसाहसाः, जनसेवकाः – गुणवाचक विशेषण

» देशभक्ति गीत और सामूहिक गान का महत्व

## हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

**उदाहरण 1. पाठ के संवाद में शिष्य का उत्तर है 'वयं भारतीयाः शूराः वीराः च स्मः'। इस वाक्य का शब्दार्थ करके बताओ कि 'वयम्' यहाँ किसके लिए प्रयुक्त हुआ है।**

› 'वयम्' = हम (सर्वनाम, बहुवचन)

› 'भारतीयाः' = भारतीय लोग (विशेषण, बहुवचन, वयम् से मेल खाता हुआ)

› 'शूराः वीराः च स्मः' = शूर और वीर हैं – पूरा वाक्य कहता है 'हम भारतीय शूर और वीर हैं'

**उत्तर – 'वयम्' यहाँ समस्त भारतीय जनता के लिए प्रयुक्त हुआ है, अकेले किसी एक व्यक्ति के लिए नहीं।**

**उदाहरण 2. 'शूरा वयं धीरा वयं वीरा वयं सुतराम्' पंक्ति का पूरा शब्दार्थ बनाओ, हर शब्द अलग करके।**

› शूराः वयम् = हम बहादुर हैं

› धीराः वयम् = हम धैर्यवान हैं

› वीराः वयं सुतराम् = हम अत्यंत साहसी हैं

**उत्तर – पूरा अर्थ: 'हम बहादुर हैं, हम धैर्यवान हैं, हम अत्यंत साहसी हैं।'**

**उदाहरण 3. 'गुणशालिनः', 'बलशालिनः' और 'जयगामिनः' – इन तीन शब्दों को उनके मूल शब्द (गुण/बल/जय) और प्रत्यय में तोड़कर अर्थ स्पष्ट करो।**

› गुण + शालिन् = गुणशालिन् (गुणों से युक्त)

› बल + शालिन् = बलशालिन् (बल से युक्त)

› जय + गामिन् = जयगामिन् (जीत की ओर जाने वाला)

**उत्तर – गुणशालिनः = गुणवान, बलशालिनः = बलवान, जयगामिनः = जीत की ओर बढ़ने वाले – तीनों प्रत्यय से बने विशेषण हैं।**

**उदाहरण 4. 'जनसेवकाः' और 'शुभचिन्तकाः' – इन दोनों शब्दों को मूल शब्दों में तोड़कर अर्थ स्पष्ट करो, और बताओ इनमें क्या समानता है।**

› जन + सेवक = जनसेवक (लोगों की सेवा करने वाला)

› शुभ + चिन्तक = शुभचिन्तक (भले की सोच रखने वाला)

› दोनों शब्द दूसरों की भलाई से जुड़े हैं – एक सेवा करने पर, दूसरा अच्छा सोचने पर बल देता है

**उत्तर – जनसेवकाः = लोगों की सेवा करने वाले; शुभचिन्तकाः = सबका भला चाहने वाले – दोनों परोपकार से जुड़े गुण हैं।**

**उदाहरण 5. पाठ के अंत में शिष्य कहता है 'एतत् एव स्वरं मिलित्वा गायामः'। इस वाक्य का शब्दार्थ करके बताओ कि यह किस भावना को दर्शाता है।**

› 'एतत् एव' = यही (गीत)

› 'स्वरं मिलित्वा' = सुर मिलाकर/एक साथ

› 'गायामः' = हम गाएँगे – पूरा वाक्य दिखाता है सामूहिक रूप से एक स्वर में गाने की भावना

**उत्तर – यह वाक्य सामूहिक एकता और साथ मिलकर गाने की भावना को दर्शाता है – 'हम सब मिलकर यही गीत गाएँगे'।**

## बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• सर्वनाम पहचानने के सवालों में हमेशा जाँचो कि वाक्य में कितने व्यक्ति की बात हो रही है – एक हो तो अहम्/त्वम्, अनेक हों तो वयम्/यूयम्।

• गीत/श्लोक की पंक्तियों का अर्थ पूछे जाने पर शब्द-शब्द तोड़कर अर्थ करो, फिर पूरे वाक्य का भाव जोड़ो – इससे आधे नंबर कटने का खतरा नहीं रहता।

• प्रत्यय-आधारित शब्दों (शालिन्/गामिन्) का अर्थ पूछे जाने पर मूल शब्द और प्रत्यय दोनों अलग-अलग बताओ, इससे उत्तर स्पष्ट और पूर्ण दिखता है।

• संधि-युक्त गुणवाचक शब्दों (जैसे जनसेवकाः) का अर्थ पूछे जाने पर पहले संधि-विच्छेद (जन+सेवक) करके दिखाओ, फिर अर्थ लिखो – इससे अतिरिक्त अंक मिलते हैं।

• 'गीत/पाठ से मिलने वाली सीख' जैसे सवालों में हमेशा गीत के गुणवाचक शब्दों (शूर, धीर, गुणशाली आदि) को अपने उत्तर में जोड़ो, इससे उत्तर पूर्ण और विषय से जुड़ा हुआ लगता है।

## एक नज़र में रिवीज़न

› वयम् = हम (समूह-सर्वनाम); पाठ में यह समस्त भारतीयों के लिए प्रयुक्त है।

› शूराः=बहादुर, धीराः=धैर्यवान, वीराः=साहसी; सुतराम्=अत्यधिक (भाव को बढ़ाने वाला शब्द)।

› गुणशालिनः=गुणवान, बलशालिनः=बलवान, जयगामिनः=जीत की ओर बढ़ने वाले।

› दृढमानसाः, गतलालसाः, प्रियसाहसाः, जनसेवकाः, अतिभावुकाः, शुभचिन्तकाः – सभी आदर्श नागरिक के गुण।

› सामूहिक गान से एकता, गर्व और साहस बढ़ता है – 'स्वरं मिलित्वा गायामः' इसी भाव का उदाहरण है।